दैनिक भास्कर भोपाल

22 MAR 2017

विश्व जल दिवस

पानी को बचाना और उसकी बचत करना सीखना होगा

शिवराज सिंह चौहान

विश्व जल दिवस 22 मार्च को पूरे विश्व में मनाया जाएगा। इस अवसर पर मप्र में नर्मदा नदी के संरक्षण के विश्व के सबसे बड़े अभियान के बारे में बात करना प्रासंगिक है। भारतीय संस्कृति में जल को बहुत अधिक महत्व दिया गया है और इसे विश्व को

हमसे सीखने की जरूरत है। हिन्दू संस्कृति में हम विश्वास करते हैं कि हमारा पूरा जीवन जन्म से मृत्यु तक जल पर आधारित है। हम सभी उत्सवों और धार्मिक क्रिया-कलापों में जल का उपयोग करते हैं।

प्रदेश का सौभाग्य है कि उसे पांच बड़े नदी कछारों का आशीर्वाद मिला है। इसे हमेशा के लिए अपने साथ बनाए रखें। इस समय जल एक तेजी से घटते हुए संसाधन में बदल रहा है। इसे रोकना होगा। यह चिंता का विषय है। पानी का बड़ी मात्रा में दुरुपयोग इसका मुख्य कारण है। आने वाले वर्षों में जल की मांग और बढ़ेगी। इस बढ़ती मांग का सामना करने के लिए हमें हमारे जल संसाधनों का किफायती उपयोग सीखना होगा। हमारी नदियों को संरक्षित रखने की महत्ता को समझते हुए ही मेरी सरकार ने 11 दिसंबर 2016 से नर्मदा सेवा यात्रा शुरू की है। इसका उद्देश्य प्रदेश की इस सबसे बड़ी नदी के संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। मुझे प्रसन्नता है कि यह यात्रा एक बड़ा जनांदोलन बन गई है। हमने नर्मदा तटों पर आगामी 2 जुलाई को 10 करोड़ पौधे लगाने की तैयारी की है। किनारों पर कुंड और मुक्तिधाम (विश्रामघाट) भी बनाए जा रहे हैं। सीवेज रोकने के लिए ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए 1500 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है। नर्मदा संरक्षण के हमारे अभियान को अमिताभ बच्चन, बाबा रामदेव, श्रीश्री रविशंकर, अनूप जलोटा, अनुराधा पौडवाल, कैलाश सत्यार्थी आदि शामिल हैं। नर्मदा सेवा यात्रा को तिब्बती धर्मगुरू और नोबल शांति पुरस्कार प्राप्त दलाई लामा का आशीर्वाद भी मिला है।

(ब्लागर मप्र के मुख्यमंत्री हैं)